माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल ने किया आईएनएस खुकरी पी-49 का लोकार्पण
प्रशासक ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी एवं रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह तथा सैन्य अधिकारियों का माना आभार
आईएनएस खुकरी पी-49 सैलानियों के लिए होगा आकर्षण का केन्द्र
दीव में पर्यटन को मिलेगी और अधिक गति और पर्यटकों की संख्या मे होगी अभिवृद्धि।

दीव -: 26 जनवरी, 2022.

भारत के 73वें गणतंत्र दिवस एवं संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव के तीसरे मर्जर दिवस के अवसर पर दीववासियों को माननीय प्रशासक की तरफ से एक नई सौगात प्रदान की गई। आज माननीय प्रशासक के कर कमलों से भारतीय नौ सेना के आईएनएस खुकरी श्रेणी का पहला स्वदेशी निर्मित मिसाइल कार्वेट, पी-49 का दीव में लोकार्पण हुआ और इस प्रकार आज का दिन इस प्रदेश के इतिहास में अविस्मरणीय हो गया।

आज सायं 04 बजे माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेल ने एक्स-खुकरी मिसाइल कार्वेट, पी-49 का विजिट किया । इस जहाज को लाइटिंग तथा रंग-बिरंगे तिरंगे की कलर से सजाया गया था, जिसकी सौंदर्यता देखते ही बनती थी। विजिट के दौरान माननीय प्रशासक के साथ भारतीय नौसेना के अधिकारी रियर एडमिरल ए भावे, कोमोडोर नितिन विश्नोई, कैप्टेन अंशुल किशोर, कमांडर रविकांत शुक्ला एवं लेफ्टीनेंट कमांडर डेविड जॉन तथा प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान नौसेना के अधिकारियों ने जहाज मे उपलब्ध सामग्रियों/उपकरणों की जानकारी माननीय प्रशासक से साझा किया।

तदुपरांत माननीय प्रशासक आईएनएस खुकरी मेमोरियल अम्पीथियेटर गए जहॉ सेना के अधिकारियों द्वारा एक्स-खुकरी को संघ प्रदेश के माननीय प्रशासक को औपचारिक रूप से सुपुर्द किया गया।

इस अवसर पर नौसेना के अधिकारी रियर एडमिरल श्री ए. भावे ने कहा कि यह नौसेना के लिए गौरव की बात है कि आईएनएस खुकरी पी-49 विश्व स्तरीय म्यूजियम के रूप में दीव में स्थापित होने जा रहा है। इससे लोगों को निश्चय ही प्रेरणा मिलेगी। 32 सालों में इस शीप ने बहुत सारे नैवेल ऑपरेशन में भाग लिया। इसका प्रयोग श्रीलंका ऑपरेशन, एंटी पायरेट्स पेट्रोलिंग, सपोर्ट मिशन, समुद्री आंतकवादी हमलों आदि में इसका प्रयोग किया गया था। उन्होंने इस क्षण को नौसेना

के लिए गौरवशाली क्षण बताया। उन्होंने प्रशासन को आश्वासन दिया कि जब भी प्रशासन को इस जहाज के तकनिकी पहलुओं से संबंधित आवश्यकत पड़ेगी नौसेना के अधिकारी और जवान हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

इस अवसर पर माननीय प्रशासक ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम परम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी धन्यवाद किया तथा आदरणीय रक्षा मंत्री जी विशेष आभार प्रकट किया जिन्होंने उपहार स्वरूप इस युद्धपोत को दीव मे स्थापित करने हेतु मंजूरी प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह माननीय प्रधानमंत्रीजी का दीव के प्रति अगाध प्रेम और प्रदेश के लोग के प्रति सम्मान की भावना प्रदर्शित करता है कि उन्होंने इस युद्धपोत को दीव में स्थापित करने की स्वीकृति दी और रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी द्वारा दीव को यह अप्रतिम भेंट प्रदान की गई। भारतीय नौ सेना के आईएनएस खुकरी श्रेणी का पहला स्वदेशी निर्मित मिसाइल कार्वेट, P-49 का दीव मे लोकार्पण होते ही आज दीव के इतिहास में एक और अविस्मरणीय नाम जुड़ गया। माननीय प्रशासक ने कहा कि भारतीय नौसेना से सेवामुक्त आइएनएस खुकरी पी-49 को म्यूजियम के स्वरूप में दीव में स्थापति किया जाएगा। इसके दीव में स्थापति होने से निश्चय ही यह सैलानियों का आकर्षण का केन्द्र बनेगा और आनेवाले सैलानी भारतीय सेना की वीरता, पराक्रम और बलिदान से परिचित होंगे और उनके अंदर भी राष्ट्रप्रेम और देश सेवा की भावना जाग्रत होगी और दीव में पर्यटन को और अधिक गति मिलेगी। आईएनएस खुकरी मात्र म्यूजियम या पर्यटन स्थल नहीं बल्कि शौर्य गाथा का तीर्थ स्थल बनने जा रहा है। पूरे पश्चिमी क्षेत्र मे शायद यह पहली घटना है जो नौसेना ने अपनी सेवा मुक्त जहाज को प्रदर्शन के लिए, म्यूजियम के लिए किसी प्रदेश को दिया हो। हम सौभाग्यशाली है कि दीव प्रदेश को यह सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है

प्रशासक ने कहा कि आईएनएस खुकरी उनके लिए केवल पर्यटन एसपेक्ट्स नहीं है बल्कि उनका नौसनिकों के प्रति अप्रतिम प्यार है। प्रशासक के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से ही इस स्थल को जितना अधिक आकर्षक हो सकता है तथा जवानो के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए उन्होंने कोशिश किया है। प्रवेश मार्ग के पास ही war Memorial Wall बनाया गया है जिस पर आईएनएस खुकरी युद्धपोत पर शहादत देनेवाले सभी वीर सपूतों के नाम अंकित किए गए है और जवानों के प्रति सम्मान का भाव रखते हुए जवानों के नाम से इस स्थल पर एक-एक पेड़ लगाया गया

है। आनेवाले दिनों में यहॉ म्यूजियम बनने जा रहा है। इस म्यूजियम में आईएनएस खुकरी के इतिहास और उसकी वीर गाथा को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रशासक ने कहा कि उनके लिए यह स्थल केवल पर्यटन स्थल नहीं बल्कि शौर्य का तीर्थ स्थान है। प्रशासन के इस कदम से हमारी नई पीढ़ी नौसेना की वीरता, उनके अदम्य साहस और बलिदान से परिचित होगी। उन्हें आशा और उम्मीद है कि यह युद्धपोत और स्मारक हमारे देश की सभी नागरिकों और युवाओं के हृदय में देश प्रेम की अमर ज्योति को और अधिक बल देगा।

ज्ञातव्य है कि भारतीय नौ सेना के आईएनएस खुकरी श्रेणी का पहला स्वदेशी निर्मित मिसाइल कार्वेट, पी-49 मझगॉव मुम्बई में निर्मित हुआ था। 32 साल तक शानदार सेवा देने के बाद यह भारतीय नौ सेना से सेवा मुक्त हुआ। इस जहाज को 23 अगस्त 1989 को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था और इसे पश्चिमी और पूर्वी दोनों बेड़े का हिस्सा होने का गौरव प्राप्त था। आज उसी जहाज को दीव में स्थापित किया गया है। प्रशासन की तरफ से यह अनुपम सौगात नव वर्ष में दीव की जनता को दी गई है।

आज के इस ऐतिहासिक संध्या को भारतीय सांस्कृतिक की रंगो से और अधिक जानदार और यादगार बनाने के लिए आइ्रएनएस खुकरी मेमोरियल स्थल पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमे माननीय प्रशासक एवं नौसेना के अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य लोग मौजूद रहे। इस असवर पर नौसेना की बैंड की ओर से देशभक्ति गीत पर धुन प्रस्तुत किए गए। इसके तदुपरांत मुद्रा स्कूल ऑफ इंडियन क्लासीकल डांसेस, अहमदाबाद संस्थान के नृत्य गुरू श्री अनंत मेनन और गुरू अर्पणा किरण मेनन के मार्गदर्शन मे उनके कलाकारों ने भारत नाट्यम नृत्य शैली में मल्लारी एवं मोहिनी अट्टम नृत्य शैली में गणेश वंदना, भारत नाट्यम शैली में शिव तांडव तथा कथकली नृत्य शैली, भारत नाट्यम शैली देशराग में थिराना और वंदे मातरम प्रस्तुत किया गया। सभी कलाकरों ने अपने भावभंगिमा से उपस्थितों को भावविभोर कर दिया।

73वें गणतंत्र दिवस, संघ प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली और दमण एवं दीव के तीसरे निर्माण दिवस तथा सेवामुक्त खुकरी के दीव आगमन अर्थात खुशी के इस त्रिगुणित करनेवाले अवसर पर भव्य आतिशबाजी के साथ यह समारोह भव्यता के साथ संपन्न हुआ ।